Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

AFMA–113

M.A. (Final) Examination, 2023

RAJASTHANI

Paper - III

(काव्यशास्त्र एवं पाठालोचन)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

(सवाळां सवालां रा पडूत्तर राजस्थानी में ई देवणा है)

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सगळां **दस** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते 2 अंक अर **50** सबदां मांय देवणां है।

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात सवालां मांय स्यूं किणी **पांच** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते **200** सबद अर **8** अंक राखीज्या है।

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार सवालां मांय स्यूं किणी **दोय** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते **500** सबद अर् **20** अंक राखीज्या है।

खण्ड–अ

1. सगळां **दस** सवालां रा पडूत्तर दिरावो (सबद सीमा **50** सबद) :

(i) 'आचार्य भामह' री काव्य री परिभासा लिखो।

(ii) 'रीति-सिद्धान्त' रा प्रवर्तक कुण है ?

(iii) 'वक्रोक्ति-सिद्धान्त' रा प्रवर्तक रो नांव लिखो।

(iv) यूनानी भासा मांय 'मीमोसिस' रो कांई अरथ है ?

(v) 'सोरठियो दूहो' रा लक्षण बताओ।

(vi) काव्य प्रयोजन किण रै खातर हुवै ?

(vii) चार राजस्थानी काव्यशास्त्रीयां रा नांव उणा री रचना रै सागै लिखे।

(viii) 'छबकाळ' दोसा री परिभासा बताओ।

(ix) 'अनुप्रास' अलंकार री परिभासा उदाहरण सागै बताओ

(x) 'पाठालोचन' किण रो कर्‌यो जावै ?

खण्ड–ब

नोट :– नीचै लिख्योडै **सात** सवालां मांय सूं किणी पांच सवालां रा पडूत्तर दिरावो। (सबद सीमा **200** सबद) :

2. साहित्य रै स्वरूप री व्याख्या करता थकां इणरै तत्वां री विवेचना करो।

3. रस री परिभासा देवता थकां 'रस' रै अवयवा नै समझावो।

4. ध्वनि मत री व्याख्या करता थकां ध्वनि रा भेद-प्रभेद लिखो।

5. अरस्तु रै अनुकृति-सिद्धान्त नै उदाहरण सागै समझावो।

6. नीचै लिख्या काव्य-दोसा री परिभाषा उदाहरण समेत लिखो–

छबकाळो, पागळो, अमंगळ, निनंग, अपस, अर हिण दोस!

7. वयण सगाई अलंकार री परिभासा सागै भेदा नै उदाहरण सागै लिखो।

8. पाठ-संपादन री प्रक्रिया नै विगतवार मांडौ।

खण्ड–स

नोट :– नीचै लिख्यां **चार** सवालां मांय सूं किणी दो सवालां रा पडूत्तर देवो। (सबद सीमा **500** सबद) :

9. क्रोंचे रै अभिव्यंजनावाद सिद्धान्त री विरोळ करो।

10. अरस्तु रै अनुकरण सिद्धान्त रो खुलासो करो।

11. पाठालोचन री प्रक्रिया नै समझाय'र लिखो।

12. साहित्य रै सरूप सारू भारतीय अर पाश्चात्य आलोचकां रै मत री विरोळ करो।